भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3837 का उत्तर

गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ के बीच रेल मार्ग से दूरी

3837. श्री प्रद्युत बोरदोलोई:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सलोना और खुमताई के बीच नई रेल लाइन का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) यदि हां, तो परियोजना की समय-सीमा और इसके पूरा होने की संभावित तिथि सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ के बीच रेल दूरी को कम करने के लिए मार्गों का पता लगाने हेतु कोई व्यवहार्यता अध्ययन या सर्वेक्षण कराया है; और

(घ) यदि हां, तो इसके निष्कर्ष क्या हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 1,368 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 74,972 करोड़ रु. लागत की 18 रेल परियोजनाएं (13 नई लाइनें और 05 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं जिनमें से 313 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक 40,549 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

कार्यों की संक्षिप्त स्थिति निम्नानुसार है:

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किमी. में)	कमीशन की गई लंबाई (किमी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	13	896	81	34,616
दोहरीकरण	5	472	232	5,933
कुल	18	1,368	313	40,549

लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबधी परियोजनाओं और अन्य कार्यों हेतु औसत बजट आवंटन का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

अवधि	परिव्यय
2009-14	2,122 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	10,376 करोड़ रु. (लगभग 5 गुना)

पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं की कमीशनिंग निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेल पथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	333 किलोमीटर	66.6 कि.मी./वर्ष
2014-24	1,728 किलोमीटर	172.8 कि.मी./वर्ष (लगभग 3 गुना)

पिछले तीन वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25) के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 2,499 किलोमीटर कुल लंबाई के 21 सर्वेक्षण (17 नई लाइन एवं 04 दोहरीकरण) स्वीकृत कर दिए गए हैं।

सलोना और खुमताई पहले से ही रेल नेटवर्क पर लम्डिंग के रास्ते जुड़े हुए हैं। सीधी रेल संपर्कता मुहैया कराने के लिए सलोना-खुमताई (99 किमी) नई लाइन परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया है। बहरहाल, सर्वेक्षण के अनुसार, परियोजना कम यातायात अनुमान वाली है।

गुवाहाटी और डिब्रूगढ पहले से ही मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं और गुवाहाटी-लम्डिंग के बीच का खंड दोहरी लाइन का खंड है। इसके अतिरिक्त, लम्डिंग-फुरकेटिंग (140 किमी) के दोहरीकरण संबंधी कार्य 2,124 करोड़ रु. की लागत पर स्वीकृत कर दिए गए हैं और कार्यों को शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, फुरकेटिंग-तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ (241 किमी) शेष खंड को दोहरीकरण के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।

*****